विश्व फोटोग्राफी दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व फोटोग्राफी दिवस **(19 अगस्त)** के अवसर पर इंदौर के फोटोग्राफी कला में किए गए उल्लेखनीय योगदान का उत्सव मनाया जा रहा है। शहर की समृद्ध फोटोग्राफी विरासत 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से जुड़ी है, जब **लाला दीनदयाल** जैसे अग्रदूतों ने इसे नई पहचान दिलाई।

मुख्य बिंदु

फोटोग्राफी में इंदौर का योगदान

- **भारत में 19वीं शताब्दी की जड़ें:**
  - **विलियम आर्मस्ट्रांग (1847):** पहले ब्रिटिश फोटोग्राफर थे जिन्होंने अजंता-एलोरा गुफाओं की तस्वीरें खींचीं।
- **इंदौर की फोटोग्राफी यात्रा:**
  - **लाला दीनदयाल** ने वर्ष 1888 में इंदौर का पहला फोटो स्टूडियो खोला। उनके कार्य को स्थानीय राजघरानों से सराहना मिली। इसी कारण निज़ाम ने उन्हें ज़मीन भेंट की और '**राजा दीनदयाल**' की उपाधि प्रदान की।
  - दीनदयाल के जाने के बाद भी कई फोटोग्राफरों ने उनके कार्य को आगे बढ़ाया।
- **प्रसिद्ध फोटोग्राफर:**
  - भालू मोंधे (पद्मश्री सम्मानित): वर्ष 1975 में इंदौर में रंगीन फोटोग्राफी की शुरुआत की और पहला कलर लैब स्थापित किया, जिससे शहर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

- **परिचय:**
  - यह दिवस 19 अगस्त को डाग्युरोटाइप प्रक्रिया' (Daguerreotype Camera) के आविष्कार के सम्मान में मनाया जाता है।
  - वर्ष 1839 में इसी दिन फ्राँसीसी सरकार ने आधिकारिक रूप से डाग्युरोटाइप की घोषणा की थी, जिसे **लुईस डाग्युरे** ने वर्ष 1837 में विकसित किया था।
  - डाग्युरोटाइप एक प्रारंभिक फोटोग्राफी प्रक्रिया थी, जिसमें **चाँदी-लेपित ताँबे की प्लेट** पर अत्यधिक सूक्ष्म और अद्वितीय सकारात्मक छवि तैयार होती थी।
  - इसी ने आधुनिक फोटोग्राफी की नींव रखी।
  - **थीम 2025: "माय फेवरिट फोटो"।**
- इतिहास:
  - इसका प्रस्ताव वर्ष 1988 में भारतीय फोटोग्राफर और शिक्षक **ओ.पी. शर्मा** ने रखा था।
  - वर्ष 2005 में यह एक वैश्विक **ऑनलाइन पहल** के रूप में उभरा।
  - वर्ष 2010 से इसे ऑस्ट्रेलियाई उद्यमी **कॉर्स्के आरा** द्वारा ऑनलाइन "**विश्व फोटोग्राफी दिवस**" के रूप में बढ़ावा दिया गया।
  - उत्तर अमेरिका के निर्माता **जॉन मोर्ज़ेन** ने इसकी वैश्विक पहचान को आकार देने और विस्तार करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-photography-day